http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 97

प्रयागराज सोमवार 23 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

खड़गे बोले- चुनाव नियम बदलना सरकार की सोची-समझी साजिश

● यह ईडी की आजादी पर हमला, केंद्र ने कहा था- पोलिंग बूथ के फुटेज सार्वजनिक नहीं होंगे

केंद्र सरकार चुनाव आयोग की संस्थागत अखंडता को नष्ट करना चाहती है। इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए चुनाव नियम में किए गए बदलाव को लेकर कांग्रेस ने केंद्र पर निशाना साधा है।

मल्लिकार्जुन खड़गे
कांग्रेस अध्यक्ष

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सीसीटीवी कैमरा और वेबकास्टिंग फुटेज के साथ–साथ उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए चुनाव नियम में बदलाव किया है ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके। इस पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि केंद्र सरकार चुनाव आयोग की संस्थागत अखंडता को नष्ट करना चाहती है। इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए चुनाव नियम में किए गए बदलाव को लेकर कांग्रेस ने केंद्र पर निशाना साधा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि केंद्र सरकार चुनाव आयोग की संस्थागत अखंडता को नष्ट करना चाहती है। चुनाव नियम में बदलाव चुनाव आयोग की ईमानदारी को खत्म करने सोची समझी साजिश है। चुनाव आयोग को जानबूझकर खत्म करके मोदी सरकार लोकतंत्र और संविधान पर हमला कर रही है। खरगे ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि चुनाव नियमों में संशोधन भारत के चुनाव आयोग की संस्थागत अखंडता को नष्ट करने की मोदी सरकार की व्यवस्थित साजिश है। इससे पहले सरकार ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करने वाले पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश को चयन पैनल से हटा दिया था। अब सरकार उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी चुनावी जानकारी को छिपाने का सहारा ले रहे हैं। खरगे ने कहा कि जब–जब कांग्रेस ने चुनाव आयोग को मतदाताओं के नाम काटने और ईवीएम में पारदर्शिता की कमी जैसी अनियमितताओं के बारे में लिखा, तब–तब आयोग ने अपमानजनक लहजे में जवाब दिया।

कुवैत में भारतीय कामगारों से बोले पीएम मोदी...

गरीबों का सम्मान मेरे लिए सबसे अहम

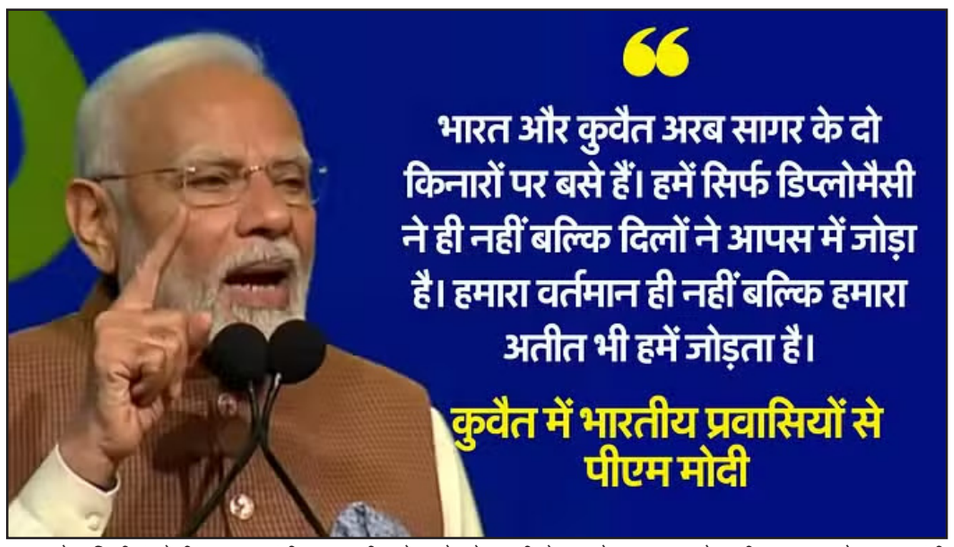

● मोदी कुवैत के लेबर कैंप में भारतीय कामगारों से मिलेः साथ में नाश्ता किया, प्रवासी भारतीयों से कहा- आपकी उबलब्धियों को सेलिब्रेट करने आया हूं

कुवैत सिटी,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुवैत की दो दिवसीय ऐतिहासिक यात्रा पर है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रविवार को बयान पैलेस में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर से नवाजा गया है। नरेन्द्र मोदी बीते 43 वर्षों में पहले भारतीय नेता हैं जो खाड़ी देश कुवैत की यात्रा पर गए है। इससे पहले वर्ष 1981 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कुवैत की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल–अहमद अल–जबर अल–सबाह के निमंत्रण पर कुवैत की यात्रा पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कुवैती अमीर के साथ द्विपक्षीय बैठक की है। प्रधानमंत्री की खाड़ी देश की यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। कुवैत भारत का महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है। ये कच्चे तेल का छठा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का 3 प्रतिशत पूरा करता है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर भारत और कुवैत के बीच बहुआयामी संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने लिखा, ष्भारत और कुवैत के बीच बहुआयामी संबंध इतिहास, संस्कृति और आपसी सम्मान पर आधारित हैं। हमारे मजबूत संबंध ऊर्जा, व्यापार और निवेश तक फैले हुए हैं। हमारे पास जीवंत भारतीय प्रवासी भी हैं जो दोस्ती को और मजबूत कर रहे हैं।ष प्रधानमंत्री ने कहा कि श्मैं लगातार इस बारे में सोचता रहता हूं कि मेरे देश के किसान, मजदूर कितनी कड़ी मेहनत करते हैं। जब मैं लोगों को कड़ी मेहनत करते देखता हूं तो मुझे लगता है कि अगर वे 10 घंटे काम कर सकते हैं तो मुझे भी 11 घंटे काम करना चाहिए।श प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कुवैत में गल्फ स्पिक लेबर कैंप का दौरा किया, जहां उन्होंने कुवैत में काम कर रहे भारतीय कामगारों से मुलाकात की। इस मुलाकात में प्रधानमंत्री ने देश के विकास में भारतीय कामगारों के योगदान का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि साल 2047 में भारत को विकसित बनाने में भारतीय कामगारों की अहम भूमिका रहेगी। देश के किसान और मजदूर कड़ी मेहनत करते हैं प्रधानमंत्री ने भारतीय कामगारों के साथ बातचीत में कहा कि श्जब मैं साल 2047 में विकसित भारत की बात करता हूं।

प्रियंका गांधी से मिले अहमद हमीद, किसानों और युवाओं की समस्याएं बताई

बागपत,(एजेंसी)। नई दिल्ली में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी से प्रदेश महासचिव अहमद हमीद ने मुलाकात की। उन्होंने प्रदेश में मुस्लिमों पर हो रहे अत्याचार को लेकर बातचीत की। साथ ही किसानों की समस्या व युवाओं की बेरोजगारी को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के साथ ही देश में मुस्लिमों पर अत्याचार किया जा रहा है। मुस्लिमों में डर का माहौल बना हुआ है। साथ ही दलितों, पिछड़ों, किसानों, महिला सुरक्षा, नौजवानों के भविष्य को लेकर भी बात की। कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। साथ ही युवा रोजगार नहीं मिलने के कारण भटक रहे हैं। देश में हालात बेहद गंभीर हैं। भाजपा सरकार संविधान को खत्म कर देश के मुस्लिमों, दलितों एवं पिछड़ों का दमन करने का काम कर रही है। प्रियंका गांधी ने अहमद हमीद से कहा कि कांग्रेस को मजबूत बनाना है। लोगों के बीच जाकर उनकी लड़ाई लड़ने की बात कही।

'मकान दिलाएंगे, इलाज भी कराएंगे'

● जनता दर्शनः सीएम योगी सुनी- 150 लोगों की समस्याएं सुनी

गोरखपुर,(एजेंसी)। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजना से मकान दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। ध्यान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं ने पक्के मकान की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत मकान की सुविधा दी जाएगी। सरकार की मंशा है कि हर व्यक्ति के पास पक्का मकान हो। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। इस दौरान सीएम ने यह निर्देश भी दिए कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड है, उन्हें इलाज में किसी तरह की दिक्कत न होने आए। साथ ही जो पात्र लोग किन्हीं कारणों से वंचित हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं। कुशीनगर की एक महिला ने गंभीर बीमारी के इलाज के लिए मदद का अनुरोध किया तो मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान कार्ड होने के बाद यदि इलाज में किसी तरह की आर्थिक दिक्कत आएगी तो भी उसकी व्यवस्था करने में मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

आरोपियों को जमानत में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पीठ ने कहा, श्यदि किसी अभियुक्त को आरोप तय किए बिना करीब पांच वर्षों तक कैद रखा जाता है, तो जल्द सुनवाई के अधिकार को तो छोड़ ही दें, यह बिना सुनवाई के सजा देने के बराबर होगा।श सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट और महाराष्ट्र सरकार से कहा है कि वे एक ऐसा तंत्र विकसित करें, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि आरोपियों को हर तारीख पर ट्रायल जज के सामने शारीरिक रूप से या वर्चुअल रूप से पेश किया जाए, ताकि सुनवाई लंबी न चले। दरअसल मकोका के तहत गिरफ्तार एक आरोपी की जमानत याचिका बॉम्बे हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी। इसके बाद आरोपी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उक्त टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा– ये दुखद और खेदजनक स्थिति सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि इस मामले में अपीलकर्ता को ट्रायल जज के सामने शारीरिक या वर्चुअल रूप से पेश न किए जाने के कारण मामले की सुनवाई लंबी हो रही है। पीठ ने कहा कि यह कोई अकेला मामला नहीं है बल्कि कई मामलों में ऐसी समस्या होती है और यह दुखद और खेदजनक स्थिति है। पीठ ने अपने आदेश में कहा, श्हम बॉम्बे उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल, महाराष्ट्र राज्य के गृह सचिव और महाराष्ट्र राज्य के विधि एवं न्याय सचिव को निर्देश देते हैं कि वे एक साथ बैठकर एक ऐसा तंत्र विकसित करें, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि अभियुक्तों को हर तारीख पर या तो शारीरिक रूप से या वर्चुअल रूप से ट्रायल जज के समक्ष पेश किया जाए।

कुवैत में प्रधानमंत्री के भाषण पर दिग्विजय का हमला, बोले...

घृणा का जहर भर रहे हैं पीएम

● दिग्विजय सिंह ने राहुल गांधी पर लगे आरोपों को बताया झूठ

भोपाल,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कुवैत में प्रधानमंत्री मोदी के भाषण पर तीखा हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री इस्लामिक देशों में ष्विश्व बंधुत्वष् की बात करते हैं, जबकि भारत में ष्हिंदुत्वष् के जरिए विभाजन की राजनीति करते हैं। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुवैत में दिए गए हालिया भाषण की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री राजनीतिक लाभ के लिए भारत में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के बीच घृणा का प्रसार कर रहे हैं। सिंह ने कहा कि घृणा का जिन्न बाहर निकालना आसान है, लेकिन उसे वापस बोतल में डालना बेहद कठिन है। दिग्विजय सिंह ने एक पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री विदेशों में ष्विश्व बंधुत्वष् का संदेश देते हैं, लेकिन भारत में ष्हिंदुत्वष् के जरिए विभाजन की राजनीति करते हैं। युवाओं और बच्चों में घृणा का जहर भर दिया दिग्विजय सिंह ने अपने पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, मैंने आपका कुवैत का भाषण सुना। मैं इसकी सराहना करता हूं। लेकिन, मैं आपके सबसे बड़े आलोचकों में से एक हूं। आपने भारत में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के बीच जो घृणा फैलाई है, उसे नियंत्रित करना अब बहुत मुश्किल हो गया है। आपने श्राजधर्मश निभाने के बजाय युवाओं और बच्चों में घृणा का जहर भर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विदेशों, खासकर इस्लामिक देशों में, ष्विश्व बंधुत्वष् की बात करते हैं, जबकि भारत में ष्हिंदुत्वष् के एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि सावरकर ने खुद कहा था कि श्हिंदुत्वश का हिंदू धर्म या सनातन धर्म से कोई लेना–देना नहीं है। एकता और शांति का संदेश फैलाने की अपील दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि वे भारत में भी एकता और शांति का संदेश फैलाएं। उन्होंने कहा कि मेरी आपसे केवल एक ही गुजारिश है। राहुल गांधी का श्नफरत छोड़ो, भारत जोड़ोश का संदेश देश में फैलाएं और सनातन धर्म के श्वसुधैव कुटुंबकमश के संदेश को जन–जन तक पहुंचाएं। प्रधानमंत्री का कुवैत दौरा गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 43 वर्षों में पहली बार कुवैत की यात्रा पर हैं। कुवैत के शेख साद अल–अब्दुल्ला इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भारतीय प्रवासी समुदाय को संबोधित करते हुए।

घर-घर जाकर 'महिला सम्मान योजना' और 'संजीवनी योजना' के लिए रजिस्ट्रेशन करेगी आप

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केजरीवाल ने कहा कि हमारी टीम घर–घर जाकर संजीवनी योजना और महिला सम्मान योजना के लिए पंजीकरण करेगी। इसके लिए दिल्ली का वोटर आईडी कार्ड होना जरूरी है। दिल्ली की महिलाओं और बुजुर्गों के लिए खुशखबरी है। दिल्ली में कल से महिला सम्मान और संजीवनी योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने इसकी घोषणा की है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, श्हाल ही में हमने दो योजनाओं की घोषणा की थी, एक महिला सम्मान योजना, हमारी महिलाओं की सुविधा के लिए हमने घोषणा की थी कि हम उनके बैंक खातों में 2,100 रुपये जमा करेंगे। इसका पंजीकरण कल से शुरू हो रहा है। दूसरी घोषणा संजीवनी योजना की थी। इसके तहत 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज मिलेगा। मध्यम वर्ग की कोई सुध नहीं लेता। रिटायरमेंट के बाद कई परिवारों में बुजुर्गों की कोई सुध नहीं लेता। अब आप सरकार उनका इलाज कराएगी। इस योजना का पंजीकरण भी कल से शुरू हो जाएगा।

श केजरीवाल ने कहा कि हमारी टीम घर–घर जाकर संजीवनी योजना और महिला सम्मान योजना के लिए पंजीकरण करेगी। इसके लिए दिल्ली का वोटर आईडी कार्ड होना जरूरी है और आप वेबसाइट पर जाकर चेक कर सकते हैं कि आपका वोट रद्द हुआ है या नहीं।

वे (भाजपा) बड़े पैमाने पर वोट रद्द कर रहे हैं। बुजुर्गों के लिए संजीवनी योजना आप ने बुजुर्गों के लिए संजीवनी योजना शुरू करने की घोषणा की थी।

'ट्रैक एंड ट्रेस' तंत्र को दी मंजूरी

● कर चोरी रोकने के लिए जीएसटी परिषद का बड़ा कदम

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। एसटी परिषद ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी रोकने के लिए अहम कदम उठाया है। बीते दिन हुई बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। इसमें कर चोरी की आशंका वाली कुछ वस्तुओं के लिए श्ट्रैक एंड ट्रेसश तंत्र लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी देना भी शामिल है। इसके तहत ऐसी वस्तुओं या पैकेट पर एक विशिष्ट चिह्न लगाया जाएगा, ताकि आपूर्ति श्रृंखला में उनका पता लगाया जा सके। इसका मकसद क्या? इसका मकसद केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) अधिनियम, 2017 में धारा 148ए के माध्यम से एक प्रावधान शामिल करना है, ताकि सरकार को कर चोरी की संभावना वाले उत्पादों पर नजर रखने और पता लगाने (ट्रैक एंड ट्रेस) के तंत्र को लागू करने के लिए सशक्त बनाया जा सके। प्रणाली के बारे में जानिए वित्त मंत्रालय ने परिषद की 55वीं बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में बताते हुए कहा कि यह प्रणाली विशिष्ट पहचान चिह्न पर आधारित होगी। इसे वस्तुओं या उनके पैकेट पर चिपकाया जाएगा। इससे ऐसी प्रणाली विकसित करने के लिए कानूनी ढांचा उपलब्ध होगा। इसके अलावा आपूर्ति श्रृंखला में निर्दिष्ट वस्तुओं का पता लगाने के लिए तंत्र के कार्यान्वयन में मदद भी मिलेगी। वित्त मंत्रालय ने क्या बताया? वित्त मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, श्यह स्पष्ट किया जाता है कि अपंजीकृत प्राप्तकर्ताओं को ऑनलाइन मनी गेमिंग, ओआईडीएआर सेवाओं आदि जैसी ऑनलाइन सेवाओं की आपूर्ति के संबंध में आपूर्तिकर्ता को कर चालान पर अपंजीकृत प्राप्तकर्ता के राज्य का नाम अनिवार्य रूप से दर्ज करना आवश्यक है और प्राप्तकर्ता के राज्य का ऐसा नाम आईजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 12(2)(बी) के प्रयोजन के लिए प्राप्तकर्ता के रिकॉर्ड में दर्ज पता माना जाएगा, जिसे सीजीएसटी नियम, 2017 के नियम 46(एफ) के प्रावधान के साथ पढ़ा जाएगा।श पॉपकॉर्न पर जीएसटी को लेकर साफ किया रुख जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साफ किया कि पहले से पैक और लेबल के साथ पॉपकॉर्न पर 12: का टैक्स लगाया जाएगा। अगर इसमें चीनी मिलाई गई है तो उस पर 18: की दर से जीएसटी जीएसटी लागू रहेगा। इसकी कीमतों पर परिषद अलग से सर्कुलर जारी करेगी। पॉपकॉर्न पर पहले जैसे ही तीन तरह के टैक्स लगेंगे। पहला नमक और मसाले मिलाकर खाने के लिए तैयार किए गए और पैक्ड हैं।

, लेकिन उन पर कोई लेबल नहीं लगा है। ऐसे पैक्ड पॉपकॉर्न पर 5: जीएसटी लागू होगा। पैकेट पर लेबल भी लगा है तो उस पर जीएसटी बढकर 12 फीसदी हो जाएगा।

सम्पादकीय

असंसदीय कृत्य

जब देश की नई संसद में सदन की कार्रवाई शुरू हुई, तो विश्वास था कि देश में संसदीय मर्यादाओं को नई गरिमा मिलेगी। लेकिन हाल ही में संपन्न शीतकालीन सत्र के दौरान हुए हंगामे ने देश के आम जनमानस को गहरे तक निराश ही किया। सड़क पर सांसदों की धक्का–मुक्की और आरोप–प्रत्यारोपों ने उन मतदाताओं को ठेस पहुंचायी, जिन्होंने उन्हें अपने प्रतिनिधि के रूप में चुना था। आरोप–प्रत्यारोप तो सांसदों की पुरानी परंपरा रही है, लेकिन इस बार तो बात धक्का–मुक्की से लेकर थाने तक जा पहुंची। ऐसे में सवाल किया जा सकता है कि जब हमारे माननीयों का व्यवहार ऐसा होगा तो आम आदमी से क्या उम्मीद की जा सकती है। दरअसल, महाराष्ट्र चुनाव में करारी शिकस्त से पस्त विपक्ष सरकार पर हमले के लिये मुद्दे की तलाश में था। उन्हें मुद्दा खुद गृहमंत्री अमित शाह ने दे दिया। संविधान के रचयिताओं में अग्रणी डॉ. बी.आर. अंबेडकर के बारे में शाह की टिप्पणी के बाद एनडीए और इंडिया गठबंधन के सांसदों के बीच आरोप–प्रत्यारोपों का सिलसिला कालांतर टकराव में बदल गया। निश्चय ही राजनेताओं के व्यवहार से देश–विदेश में कोई अच्छा संदेश नहीं गया। जिन सांसदों के हाथ में कानून की गरिमा बनाये रखने की जिम्मेदारी है, वे हाथ ही धक्का–मुक्की में लिप्त होने लगे। जो जनप्रतिनिधियों की कथनी–करनी के अंतर को ही दर्शाता है। सही मायनों में यह मतदाताओं का भी अपमान है जिन्होंने उन्हें चुनकर संसद में भेजा है। निस्संदेह, जब अमित शाह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का नाम जपना एक फैशन बन गया तो ऐसा करके उन्होंने अपना कद कदापि नहीं बढ़ाया। इस तरह उन्होंने संविधान के जनक को एक अनावश्यक विवाद में घसीट लिया। महाराष्ट्र चुनाव में पराजय के बाद खस्ता हाल में आये विपक्ष को इस विवाद ने राजग पर एकजुट हो हमलावर होने का अवसर दे दिया है। विपक्ष ने भी मुद्दे को तुरंत लपक लिया। लेकिन इस तरह के विवाद को असंसदीय ही कहा जाएगा। कालांतर में स्थिति यहां तक पहुंच गई कि शाह की बयानबाजी के बचाव में खुद प्रधानमंत्री को उतरना पड़ा। उन्होंने कांग्रेस पर राजनीतिक स्वार्थ के लिये दुर्भावनापूर्ण झूठ का सहारा लेने का आरोप भी लगाया। निस्संदेह, डॉ. बी.आर. अंबेडकर एक ऐसे राष्ट्रीय प्रतीक हैं, जिनकी गरिमा को कोई भी राजनीतिक पार्टी नजरअंदाज नहीं कर सकती। यह स्पष्ट ही है कि राजनीतिक लाभ के लिए दोनों प्रमुख पार्टियां उनकी विरासत पर कब्जा करने को यह खेल खेल रही हैं। उनका अमर्यादित व्यवहार इस स्थिति को और गंभीर बना देता है। विडंबना ही है कि ये स्थितियां तब पैदा हुईं जब देश संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी समारोह आयोजित कर रहा था। दुनिया को यह बताने का प्रयास कर रहा था कि लोकतंत्र, न्याय और समानता की कसौटी पर यह जीवंत दस्तावेज खरा उतरा है। निस्संदेह, इस बात में दो राय नहीं हो सकती कि संविधान के आदर्शों को बनाये रखना सभी सांसदों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उनकी प्राथमिकता सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने की होनी चाहिए, न कि आरोप–प्रत्यारोप व टकराव की सीमाएं लांघने की। वे कम से कम लोकतंत्र के मंदिर की मर्यादा और गरिमा को बनाये रखने का दायित्व तो निभा ही सकते हैं। यदि ऐसा न हुआ तो लोकतंत्र का यह मंदिर प्रहसन के रंगमंच में बदल जाएगा। साथ ही भारत के विश्व गुरु व विश्व बंधुत्व के नारे में भी कोई तार्किकता नहीं रह जाएगी। आज देश बेरोजगारी, महंगाई तथा विकास से जुड़ी तमाम समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे विवादों से तो मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकता है। जबकि जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता जन कल्याण के रास्ते तलाशना होना चाहिए। निश्चित रूप से देश–दुनिया में इस विशालतम लोकतंत्र की कारगुजारियों का अच्छा संदेश तो कदापि नहीं जाएगा। हमारे जनप्रतिनिधियों को सोचना चाहिए कि जनता के करों के पैसे से चलने वाले सदन ने शीतकालीन सत्र में क्या हासिल किया। निश्चित रूप से इस सत्र के दौरान होने वाले अप्रिय विवादों से देश–दुनिया में कोई अच्छा संदेश तो कदापि नहीं गया है।

नाकाम अमेरिकी स्वास्थ्य सेवाएं भारत के लिए सबक

जगदीश रत्तनानी

अमेरिका की एक प्रमुख स्वास्थ्य बीमा प्रदाता कंपनी यूनाइटेड हेल्थ केयर के सीईओ ब्रायन थॉम्पसन की इस महीने की शुरुआत में हुई हत्या पर अमेरिकी जनता ने अपनी गहरी भावनाएं व्यक्त की हैं। शूटर के प्रति जनता के मन में सहानुभूति है। उसके इस कृत्य की तारीफ भी की जा रही है। थॉम्पसन की जान लेने वाली गोलियों पर तीन डी– डिनाय, डिले, डिफेंड (इनकार, देरी, बचाव) लिखा था पर इन्हें जरूर समझा जाना चाहिए जिनकी वजह से यह वारदात हुई। तीन डी एक संक्षिप्त शब्द बन गया और उन आलोचकों के लिए एक हथियार सा बन गया है जो इस बात पर नजर रखे हुए हैं कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को अस्वीकार करने या देरी करने और अपने सभी कॉर्पोरेट के साथ अपनी हरकतों का बचाव करके मरीजों को इतना हताश कर देती हैं कि चिकित्सा दावों के भुगतान मामलों में वे अपने दावे के बीच में ही हार मान लें। यह विलंब कॉर्पोरेट रणनीति का हिस्सा है जो बीमा कंपनियों के मुनाफे, कर्मचारियों को उच्च वेतन और दिवंगत सीईओ ब्रायन थॉम्पसन जैसों को बोनस बांटता है। कंपनी की टीमें एक तरफ कथित तौर पर बैकएंड पर दावों के इनकार पर काम करती हैं जबकि फ्रंटएंड में– उदाहरण के तौर पर यूनाइटेड हेल्थ केयर के मामले में चीफ अफोर्डबिलिटी ऑफिसर जैसे लोग नियुक्त किए जाते हैं जो आपके स्वास्थ्य की देखभाल करने वाली एक रंगीन तस्वीर दिखाते हैं। स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का यह एक ऐसा पहलू है जो अत्यधिक जटिल है, जहां बड़े पैमाने पर निजीकरण और मुनाफे के साथ तीव्र प्रतिस्पर्धा है जो इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था में शीर्ष दो या तीन सबसे अधिक लाभदायक क्षेत्र बनाता है। वैश्विक शोध फर्म आईबीआईएस वर्ल्ड के अनुसार 2024 में स्वास्थ्य और चिकित्सा बीमा

व अस्पतालों को मिलाकर अनुमानित 267 अरब अमेरिकी डालर का कुल लाभ हुआ जिसकी वजह से यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था में संयुक्त रूप से तीसरा सबसे बड़ा लाभदायक उद्योग बन गया। मैकिन्से ने जनवरी 2024 में एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया था कि श्हेल्थ केयर प्रॉफिट पूलश 7 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ेगा जो 2022 के 583 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2027 में 819 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। यह एक ऐसी व्यवस्था है जिससे भारत ही नहीं बल्कि दुनिया को भी सावधान रहने की जरूरत है। एक अत्यधिक लाभ केन्द्रित क्षेत्र में जहां जनता का स्वास्थ्य ही पैसा कमाने का जरिया हो यह उन सभी चीजों की ओर इशारा करती है जो स्वास्थ्य क्षेत्र के संचालन के तरीके में शामिल नहीं होने चाहिये। इस बात से सबक लेना चाहिए है कि अब जो गुस्सा निकल रहा है वह सतह के नीचे था और लंबे समय तक टुकड़ों–टुकड़ों में देखा गया था।

गौर करें कि मारे गए सीईओ ने दो साल पहले लिंक्डइन प्लेटफॉर्म पर एक संदेश पोस्ट किया था जिसमें कहा गया थारू श्स्वास्थ्य देखभाल को और अधिक किफायती बनाना ... (है) अभी पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। दवा की कीमतों को कम करना और मूल्य पारदर्शिता में सुधार करना दो तरीके हैं जिनके माध्यम से हम यूनाइटेड हेल्थकेयर के सदस्यों के लिए लागत कम करने के लिए काम कर रहे हैं। उस पोस्ट के नीचे की टिप्पणियां आंखें खोलने वाली थीं। एक ने लिखा– श्मुझे फेफड़ों का स्टेज–4 का मेटास्टैटिक कैंसर है। चिकित्सा दावों के लिए सभी अस्वीकृतियों के कारण हमने यूएचसी छोड़ दिया है। मनाही करने के लिए हर महीने एक अलग कारण होता है। इलाज के लिए आज तक हम 20,000 डॉलर से अधिक खर्च कर चुके हैं और इससे अधिक खर्च करना हमारी इस साल की आर्थिक क्षमता के बाहर है। चूंकि हमारी उम्र 60 साल से अधिक हैं– हमारे पास इसे फिर से भरने का समय नहीं है।श कई अन्य लोगों ने इस नाराजगी पर सहमति जाहिर की हालांकि पोस्ट पर कई श्लाइकश्भी दर्ज किए।आधिकारिक तौर पर यूनाइटेड हेल्थ केयर ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया कि अमेरिका की सभी बीमा कंपनियों की तुलना में इसकी उच्चतम इनकार दर है। कंपनी ने कहा कि वह लगभग 90 प्रतिशत चिकित्सा दावों को मंजूरी देती है और भुगतान करती है। लेकिन अन्य सर्वेक्षणों और रिपोर्टों ने बढ़ती लागत और बढ़ते दावों को नकारने पर निराशा और चिंताओं की ओर इशारा किया है। बीमा कंपनियों ने सामान्य रूप से इस प्रक्रिया को एक रोड ब्लॉक में बदल दिया है जिसे पार करने के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता होती है। हालांकि अब समूह के सीईओ एंड्रयू विट्टी इस बात से सहमत हो गए हैं कि प्रणाली त्रुटिपूर्ण है। स्वास्थ्य सेवा के बारे में अमेरिका में फैली निराशा भारत के लिए महत्वपूर्ण सबक है क्योंकि चिंता इस बात की है कि स्वास्थ्य सेवा के मामले में हम अमेरिकी मॉडल की ओर झुक सकते हैं। यदि यह झुकाव पहले से ही नहीं है तो भी इसे अपनाना भारत में विनाशकारी साबित होगा जहां स्वास्थ्य सेवा प्रणाली और भी अधिक चरमरा गई है। भारत में सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों के साथ विश्व स्तरीय देखभाल एवं उच्च मानकों का दावा किया गया है जो इलाज में बढ़ती लागत प्रदान करते हैं, जो अमीरों की देखभाल करते हैं तथा बाकी को छोड़ देते हैं। इस तरह भारतीय प्रणाली अमेरिका की तुलना में कई अधिक बोझ उठाती है। भारत के राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा अनुमान 2021–22 के अनुसार, कुल स्वास्थ्य व्यय के प्रतिशत के रूप में जेब से बाहर का खर्च लगभग 40 फीसदी है। अमेरिकी प्रणाली अभी भी कई लोगों के लिए काफी अच्छी तरह से काम करती है। भारतीय प्रणाली के विपरीत वहां दवाएं निर्धारित की जाती हैं और उनके लिए भुगतान किया जाता है। बीमा या भुगतान करने की क्षमता हो या न हो, कोई भी अस्पताल आपातकालीन इलाज से इनकार नहीं कर सकता है। अस्पताल अग्रिम भुगतान की मांग नहीं करते हैं जैसी प्रथा भारत के लगभग सभी अस्पतालों में है। अमेरिका में बाद की तारीख के लिए निर्धारित बिलों की वसूली के साथ दिल की बीमारियों जैसी महत्वपूर्ण या उच्च लागत वाली सर्जरी सहित किसी आपातकालीन मामले में इलाज किया जाना करना पूरी तरह से संभव है। भारत में इनमें से किसी भी तरीके काम नहीं किया जाता है। भारतीयों की हताशा सबसे पहले उन लोगों के लिए देखभाल से इनकार करने पर है जो इलाज का भारी भरकम शुल्क वहन नहीं कर सकते। दूसरों के लिए यह डॉक्टर की सलाह की बढ़ी फीस, भारतीय अस्पतालों में कमरे के बढ़ते किराए और कई मामलों में डॉक्टरी पेशे के साथ बढ़ता मोहभंग तथा रोगियों के इलाज के तरीके हैं। बीमा लागत नाटकीय रूप से बढ़ी है तथा भारत में बुजुर्गों को कवरेज से वंचित कर दिया जाता है या कवरेज लागत नकारात्मक है।

अगर अमेरिका में व्याप्त व्यक्तिवादी, मुक्त बाजार, पूंजीवादी व्यवस्था में इस तरह का विद्रोह देखने को मिल सकता है तो कम से कम भारत को अमेरिकी व्यवस्था के करीब जाने या उसे अपनाने से सावधान रहने की जरूरत है। इसी मामले में जापान के बारे में विचार करें जहां 1960 के दशक में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा कवरेज आया। वहां लगभग सभी बीमारियों के उपचार कवर किए गए हैं, अधिकांश सेवाएं एक व्यवस्थित और दीर्घकालिक देखभाल बीमा प्रणाली के जरिए सस्ती हैं। ये ऐसे कुछ सबक हैं जिन्हें हमें अस्वीकार करना चाहिए। भारत में स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हमें नया सीखने की जरूरत है।

एक देश एक चुनाव संघीय ढांचे के लिए खतरा?

दयानंद मिश्र शुभम

केंद्र सरकार द्वारा मंगलवार को संसद में एक देश एक चुनाव का बिल पेश किया गया, जो भारत की चुनाव व्यवस्था में बड़े बदलाव की कोशिश करता है। यह बिल कई दृष्टिकोणों से देश के संघीय ढांचे, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और चुनावी व्यवस्था को प्रभावित करेगा। हालांकि सरकार का कहना है कि यह बिल राजनीतिक स्थिरता, प्रशासनिक दक्षता और संसाधनों की बचत के लिए जरूरी है। सड़क से लेकर सदन तक सत्ता पक्ष इसके फायदे बिना रही है, लेकिन विपक्ष इसके अव्यवहारिकता और संवैधानिक चुनौतियों को लेकर चिंता जाहिर कर रहा है जो वाजिब भी है। सत्ता पक्ष के अनुसार केंद्र और राज्य के चुनाव एक साथ होने पर चुनाव आयोग के खर्च में कमी आएगी। चुनावों के समय होने वाली घटिया आरोप–प्रत्यारोप की राजनीति से उत्पन्न कटुता और वैमनस्य कम होगा। सरकारें इलेक्शन मोड के लोकलुभावन निर्णयों के स्थान पर नेशन बिल्डिंग मोड के कठोर फैसले लेने में समर्थ होंगी। निश्चित ही इन परिवर्तनों से हमारा देश मजबूत होगा। किंतु प्रश्न यह है कि क्या इन परिवर्तनों को लाने का एकमात्र जरिया केंद्र और राज्यों के चुनाव एक साथ कराना ही है? जब आप इन रंगीन भ्रांतियों का शिनाख्त करेंगे तो सच्चाई कुछ और निकलेगा। इस बिल के चर्चा में आने के बाद से सबसे ज्यादा इसके आर्थिक फायदा गिनाए जा रहे हैं। जहां तक चुनाव आयोग के खर्च का प्रश्न है तो 2014 के लोकसभा चुनाव में लगभग 3000 करोड़ और 2019 में 4500 करोड़ रुपए का व्यय आकलित किया गया था। वही सिस्टम की लापरवाही के कारण पूंजीपतियों और भगोड़ों द्वारा देश के विभिन्न बैंकों को ऋ णध्एनपीए के रूप में जो क्षति पहुंचाई गई, उसकी तुलना में ये राशि बहुत कम है। ये राशि केंद्र सरकार द्वारा अपने ब्रांडिंग और विज्ञापनों पर किए गए खर्च से भी कम है। वर्ष 2014–23 तक पूंजीपतियों के करीब 14.56 लाख करोड़ की राशि माफ की गई। तो वही सरकार के आंकड़ों के अनुसार 2014–22 तक विज्ञापनों पर 6500 करोड़ खर्च किए गए। इतने राशि में कई चुनाव कराए जा सकते है। एक सच्चाई ये भी है कि चुनाव आयोग पर आर्थिक बोझ दिखा कर भाजपा और अन्य दल अपना खर्च कम करना चाहते हैं। सीएमसी के अनुसार 2019 के लोस में खर्च हुए 60 हजार करोड़ में से बीजेपी का हिस्सा 45प्रतिशत था। और भाजपा का खर्च अमूमन 2014 के बाद हर चुनाव में बढ़ता ही जा रहा है। अगर सच में मोदी सरकार चुनाव आयोग के खर्चे पर लगाम लगाकर जनता पर आर्थिक बोझ कम करना चाहती है तो उसे श्एक देश एक चुनावश के बदले एक ऐसा कानून लाना चाहिए कि राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे का एक तय हिस्सा चुनाव आयोग को दिया जाएगा। इन्ही पैसे से चुनाव आयोजित होंगे। इससे जनता का खर्च कम होगा और चंदे को लेकर भी पारदर्शिता आएगी। बात–बात पर नेहरू को कोसने वाली जमात का दावा है कि आजादी के बाद सारे चुनाव एक साथ हुए इसलिए एक देश एक चुनाव लागू किया जाना चाहिए। चूंकि सामान्य सी समझ है आरम्भ में दोनों चुनाव एक साथ ही होना था, ये स्वाभाविक परिणति थी। कालांतर में इन दोनों चुनाव चक्रों का अलग–अलग होना भी स्वाभाविक था। संविधान निर्माता यह जानते थे। इसमें कोई विकृति नहीं है इसलिए चुनाव एकीकरण के लिए कोई कानून की जरूरत नहीं समझे। दावा यह भी है कि एक बार चुनाव होने से मतदान प्रतिशत में वृद्धि होगी। लेकिन आंकड़े बताते है कि देश के बड़े सूबे उ.प्र., महाराष्ट्र, झारखंड, बिहार सहित कई राज्यों में लोकसभा के तुलना में विधानसभा में अधिक वोटिंग हुआ है। मतलब मतदाताओं का क्षेत्रीय मुद्दों की तरफ ज्यादा रुझान है। वहीं यह भी तर्क दिया जा रहा है कि बार– बार आचार संहिता की वजह से विकास कार्य प्रभावित होता है। अगर इसे सच्चाई भी मान लें तो इसके लिए संघीय ढांचे को नष्ट कर, शक्तियों का केंद्रीकरण करने की जरूरत नहीं है बल्कि चुनाव संहिता में आमूलचूल परिवर्तन से या एक साल में होने वाले सारे चुनावों को एक समय पर सम्पन्न कराकर प्रशासनिक सुधारों और विकास कार्यों को गति दी सकती है। विपक्ष ने कोविंद समिति के सामने संविधान के मूल संरचना का उल्लंघन का मुद्दा उठाया था, जिसका रिपोर्ट में भी जिक्र है। दरअसल एक देश एक चुनाव संघीय ढांचे के विपरीत क्षेत्रीय दलों को कमजोर और राष्ट्रीय दलों का वर्चस्व बढ़ाने वाला होगा। एक साथ चुनाव होने से क्षेत्रीय मुद्दे गौण हो जाएंगे। और केंद्र की शक्तियों में वृद्धि होगी। इस कानून के मुताबिक लोकसभा का कार्यकाल खत्म होने के साथ ही विधानसभा का कार्यकाल स्वतरू समाप्त हो जाएगा। इससे राज्य के मंत्री परिषद और विधानसभा के अधिकारों में भारी कटौती होगी। राज्यपाल और राष्ट्रपति शासन द्वारा केंद्र में बैठी दल का राज्य में परोक्ष रूप से शासन होगा।

> सड़क से लेकर सदन तक सत्ता पक्ष इसके फायदे बिना रही है, लेकिन विपक्ष इसके अव्यवहारिकता और संवैधानिक चुनौतियों को लेकर चिंता जाहिर कर रहा है जो वाजिब भी है। सत्ता पक्ष के अनुसार केंद्र और राज्य के चुनाव एक साथ होने पर चुनाव आयोग के खर्च में कमी आएगी। चुनावों के समय होने वाली घटिया आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से उत्पन्न कटुता और वैमनस्य कम होगा। सरकारें इलेक्शन मोड के लोकलुभावन निर्णयों के स्थान पर नेशन बिल्डिंग मोड के कठोर फैसले लेने में समर्थ होंगी।
>
> निश्चित ही इन परिवर्तनों से हमारा देश मजबूत होगा। किंतु प्रश्न यह है कि क्या इन परिवर्तनों को लाने का एकमात्र जरिया केंद्र और राज्यों के चुनाव एक साथ कराना ही है? जब आप इन रंगीन भ्रांतियों का शिनाख्त करेंगे तो सच्चाई कुछ और निकलेगा। इस बिल के चर्चा में आने के बाद से सबसे ज्यादा इसके आर्थिक फायदा गिनाए जा रहे हैं। जहां तक चुनाव आयोग के खर्च का प्रश्न है तो 2014 के लोकसभा चुनाव में लगभग 3000 करोड़ और 2019 में 4500 करोड़ रुपए का व्यय आकलित किया गया था।

न एवं क्षमता वर्धन हेतु आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की आयोजित हुई परीक्षा

लखीमपुर खीरी, (यूएनएस)। डीपीओ भारत प्रसाद के निर्देशन में सीडीपीओ पूजा त्रिपाठी की अनूठी पहल के तहत निघासन परियोजना की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के ज्ञान के मूल्यांकन एवं क्षमता वर्धन हेतु विकास खंड निघासन के सभागार में एक परीक्षा आयोजित हुई। परीक्षा में गुलरिया पत्थर शाह, लुधौरी, सिंगाही, खैरहना परिक्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने प्रतिभाग किया। इस परीक्षा से कार्यकत्रियों को कार्य क्षेत्र में आने वाली तमाम समस्याओं से निजात मिलेगी। छ साल से कम आयु वाले बच्चों के शारीरिक व मानसिक कौशल विकसित करने के लिए बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा पहल पुस्तिका,सक्षम पुस्तिका जैसी अन्य ज्ञान वर्धक पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कार्यकत्रियां इन पुस्तकों का अध्ययन करके कार्य क्षेत्र में जाएंगी तो कार्य क्षेत्र में आने वाली समस्या का निस्तारण आसानी से कर लेंगी। सीडीपीओ पूजा त्रिपाठी ने बताया इस परीक्षा से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को कार्यक्षेत्र में लाभ मिलेगा।यह परीक्षा तीन शिफ्टों में कराई जा रही है। पहली शिफ्ट की परीक्षा 20 दिसंबर को ब्लाक सभागार में सकुशल संपन्न हुई।शेष परिक्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की परीक्षा द 23 दिसंबर व 24 दिसंबर 2024 को आयोजित की जानी है।

सम्मिलित राज्य अधीनस्थ सेवा प्रारम्भिक परीक्षा आज

जौनपुर, (यूएनएस)। सम्मिलित राज्य,प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा–2024 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल यूनिर्वसिटी और टी.डी. पी. जी. कालेज का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया गया। जिलाधिकारी के द्वारा आईबीएम भवन, इंजीनियरिंग भवन, फार्मेसी भवन सहित अन्य भवनों का निरीक्षण कर परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, सी. सी.टी.वी. कैमरे इत्यादि व्यवस्थाएं देखी गई। उन्होंने निर्देश दिया कि शौचालय साफ–सुथरा रहे। जिलाधिकारी ने केन्द्राध्यक्षों को निर्देशित किया कि सभी निर्धारित परीक्षा केंद्रों समय से पहुंचकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि अवशेष अन्य व्यवस्थाएं भी जल्द पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि आयोग के निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही होगी। जिलाधिकारी ने शासन के निर्देशो से भी सभी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने परीक्षा में सम्मिलित होने वाले समस्त परीक्षार्थियों को ढेर सारी शुभकामनाएं दी। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने विश्वविद्यालय परिसर के अन्दर बने अमृत सरोवर का निरीक्षण किया और प्रसंशा की साथ ही उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि प्राथमिक विद्यालय, कस्तूरबा विद्यालय के बच्चों को अमृत सरोवर का विजिट कराया जाए, जिससे बच्चें जल संरक्षण के महत्व को समझ सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, प्रो0 मनोज मिश्र, डा. देवराज सिंह, डा0 अमरेन्द्र सिंह, डा0 राजकुमार, डा0 राम कन्हैया सिंह, डा0 ऋषिकेश, राजेन्द्र सिंह सहित खण्ड शिक्षा अधिकारीगण सहित अन्य उपस्थित रहे।

लगातार चोरी से क्षुब्ध शिक्षकों ने दिया ज्ञापन

जौनपुर, (यूएनएस)। बेसिक विभाग खुटहन के प्राथमिक विद्यालयों में लगातार हो रही चोरी की घटना से क्षुब्द होकर ब्लॉक के शिक्षक तथा संगठन के पदाधिकारी ने शनिवार को खुटहन थाना पहुंचकर थानाध्यक्ष को दिया ज्ञापन। आरोप लगाया कि विगत दिनों प्राथमिक विद्यालय सधनपुर, प्राथमिक विद्यालय डिहिया द्वितीय, प्राथमिक विद्यालय रुस्तमपुर, प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय शहाबुद्दीनपुर, प्राथमिक विद्यालय मोजीपुर, प्राथमिक विद्यालय परसादपुर आदि विद्यालयों में चोरी हो गई जिसका पुलिस विभाग ने न तो एफआईआर दर्ज किया न तो किसी प्रकार की तफ्तीश की जिसके कारण शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत पीएम पोषण योजना मध्यान भोजन बंद है। साथ ही विद्यालय व्यवस्था में अनेक कठिनाइयों का सामना शिक्षक कर रहा है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ग्राम प्रधान तथा अध्यापकों द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर में अध्यापकों ने आरोप लगाया कि पुलिस विभाग द्वारा बिल्कुल अनदेखा किया जा रहा है, जिसके कारण सभी ब्लॉक के शिक्षक प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष राजकुमार यादव के नेतृत्व में थाने पर जाकर थानाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा और मांग किया कि लगातार हो रही चोरी पर अंकुश लगाकर की हुई चोरी में सम्मिलित अपराधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करें। जिससे विद्यालय व्यवस्था में हुए व्यवधान को समाप्त कर पुनः विद्यालय का संचालन सुचारू रूप से किया जा सके। इस मौके पर मेवा लाल यादव, आलोक यादव, शिक्षक संघ सुभाष चंद्र यादव, प्रधान बेचन रजक, प्रधान रामचंद्र यादव, रमेश चंद्र यादव, नवीन शर्मा, विवेकानंद यादव, आशीष कुमार यादव, वीरेंद्र कुमार बघेल, शिव शंकर यादव, अशोक कुमार सिंह, मनोज कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, देवी प्रसाद गौतम, चंद्र चक्रपाणि तिवारी, हौसिला यादव, दिनेश यादव, लाल बिहारी यादव आदि शिक्षक मौजूद रहे।

थाना पुलिस की सक्रियता से अष्टधातु की मूर्ति बरामद

जौनपुर, (यूएनएस)। सुजानगंज क्षेत्र के ग्राम भगवानपुर सुजानगंज अंतर्गत 2 दिन पूर्व एक मंदिर से अष्टधातु की लड्डू गोपाल की मूर्ति चोरी हो गई थी, जिसकी सूचना पुजारी द्वारा सुजानगंज पुलिस को जैसे ही मिली वैसे ही सुजानगंज पुलिस ने खोए मूर्ति की तलाशी अभियान चलाकर मूर्ति को बरामद कर मंदिर के पुजारी बृजलाल दुबे को सुपुर्द कर दिया। इस संबंध में पूछे जाने पर थानाध्यक्ष सुजानगंज राजीव मल्ल ने बताया कि अष्टधातु की मूर्ति लड्डू गोपाल जी की मंदिर परिसर से चोरी हो गई है तत्काल हमने अपनी टीम को लगा दिया और दो दिन के अंदर मूर्ति बरामद कर लिया गया।तथा मंदिर के पुजारी को सुपुर्द कर दिया जहां पर पुलिस टीम मानस तिवारी, अजीत यादव, संजय सिंह, संजीव यादव के साथ ग्रामीण उपस्थित रहे।

तहसील दिवस में डीएम,एसपी, डीएफओ ने अफसरों संग फरियादियों की सुनी समस्याएं

लखीमपुर खीरी, (यूएनएस)। शासन की मंशानुरूप आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु शनिवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में तहसील सदर के लोकसभागार में ष्संपूर्ण समाधान दिवसष आयोजित हुआ। इस अवसर पर डीएम ने एसपी गणेश प्रसाद साहा, डीएफओ संजय कुमार विश्वाल व अन्य अधिकारियों संग आए हुए फरियादियों की समस्याएं सुनी और सम्बन्धित अधिकारियों को मौके पर जाकर जनशिकायतों की निष्पक्ष जॉच करके समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण करने के निर्देश दिए।डीएम ने कहा कि जनसमस्याओं का निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में है, इसलिए सभी अधिकारी रूचि लेकर गुणवत्तायुक्त ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करे। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नही होगी। भूमि संबंधी मामलों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीमें मौके पर जाकर गुणवत्तापरक निस्तारण करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 54 शिकायती प्रार्थना पत्र पंजीकृत किये गये, जिसमें राजस्व 22, पुलिस 14, विकास 05, नगर निकाय 04, पूर्ति निरीक्षक 03, विद्युत 04, कृषि के 02 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए।सात शिकायतों का मौके पर निस्तारण हुआ। शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को पृष्ठांकित कर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण हेतु उपलब्ध करा दिया गया।इस दौरान डीएफओ साउथ संजय कुमार विश्वाल, डीडीओ दिनकर कुमार विद्यार्थी,पी डी शोभनाथ चौरसिया, एसडीएम सदर अश्वनी कुमार सिंह,तहसीलदार सुशील प्रताप सिंह, बीडीओ ज्ञानेंद्र सिंह, जिला उद्यान अधिकारी मृत्युंजय सिंह, बीएसए प्रवीण कुमारतिवारी, डीएसओ अंजनी कुमार सिंह,जिला समाज कल्याण अधिकारी रामजनम, डीसीओ वेदप्रकाश सिंह,डीपीआरओ विशाल सिंह, एक्सियन जल निगम ग्रामीण योगेन्द्र कुमार नीरज, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अभय कुमार सागर सीवीओ जगदीश कुमार, एक्सियन पीडब्ल्यूडी झां।

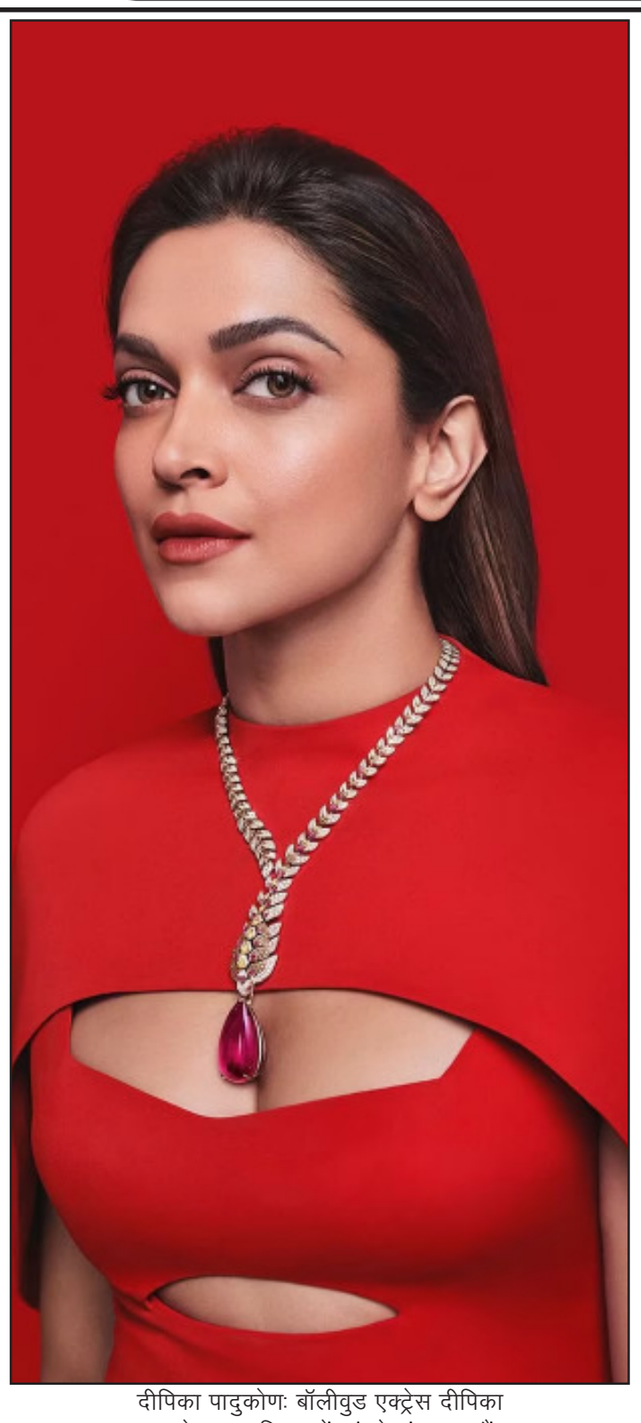

दीपिका पादुकोणः बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इस लिस्ट में पांचवे नंबर पर हैं।

मंत्री जेपीएस राठौर बोले- सनातन धर्म का सम्मान जरूरी,कांग्रेस सत्ता के लालच में कुछ भी कर सकती है

अयोध्या, (यूएनएस)। सीएम योगी के सनातन धर्म पर दिए गए बयान का समर्थन सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने किया। शनिवार को अयोध्या के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए सहकारिता मंत्री ने कहा सभ्यताओं को बचाने के लिए सनातन धर्म का सम्मान करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अपनी भावना व्यक्त की है, ये देश के करोड़ों हिंदुओं की भावना है। केवल सनातन धर्म ही राष्ट्रीय धर्म हो सकता है। अगर इसे राष्ट्रीय धर्म बना दिया जाए, तो देश की कई समस्याओं का समाधान हो जाएगा। जेपीएस राठौर ने कहा हमारा धर्म हमें वसुधैव कुटुंबकम की भावना को सिखाता है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार निंदनीय है। बांग्लादेश अपनी बर्बादी के लिए प्रयत्न कर रहा है। बांग्लादेश जिस तरह से मंदिरों को तोड़कर हिंदुओं की हत्या कर रहा है, जल्द ही बांग्लादेश की बर्बादी होगी। जिस तरह पाकिस्तान बर्बाद हुआ है, उसी तरह से बांग्लादेश भी बर्बाद होगा।जेपीएस राठौर ने कहा सनातन धर्म को राष्ट्रीय धर्म बताकर मुख्यमंत्री ने जो भावना प्रकट की वह बहुत सही और उचित है। मैं उनका अभिनंदन करता हूं। जब सनातन धर्म ही नहीं बचेगा, तो हमारी सभ्यता और संस्कृति ही नहीं बचेगी। इस सनातन धर्म के कारण ही हमारी संस्कृति और सभ्यता बची है। इस देश में मुगल आए तैमूर आए, तुर्क और अंग्रेज भी आए। उसके बाद भी हमारी संस्कृति सभ्यता बची हुई है। संसद में धक्का–मुक्की को लेकर जेपीएस राठौर ने कहा कांग्रेस सत्ता पाने की लालच में क्या ना कर जाए, कोई भरोसा नहीं है। राहुल गांधी को चाहे एक दिन का ही प्रधानमंत्री बनाना पड़े, कांग्रेस इसके लिए काम कर रही है। लेकिन, जिस तरह से च्ड मोदी काम कर रहे हैं, उस तरह से कांग्रेस के सपने साकार होने वाले नहीं हैं। सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे थे। रात में सर्किट हाउस में रुके। उन्होंने कहा– अयोध्या आकर अपार शांति मिलती है। रामलला का दर्शन करके आनंद की अनुभूति होती है। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तहत चार दिवसीय नेशनल चौंपियनशिप खो–खो प्रतियोगिता का उद्घाटन जीआईसी के मैदान पर सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने किया। देश के 29 राज्यों से 32 टीमें पहुंची हैं। 768 महिला खिलाड़ी भाग ले रही हैं। मंत्री ने कहा– खेल के प्रति स्पर्धाओं को जितना बढ़ावा दिया जाए, उतना ही अच्छा होगा। च्ड मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खेल प्रतिस्पर्धाओं को आगे बढ़ने का काम कर रहे हैं, ताकि राष्ट्रीय मंच पर हमारे भारत के जो युवा खिलाड़ी हैं, वहां एक प्रतिस्पर्धा में भाग लेकर अपना कीर्तिमान स्थापित करें। इस मौके पर महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, कमिश्नर गौरव दयाल, संयुक्त शिक्षा निदेशक योगेंद्र कुमार सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष राय और भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव सिंह भी मौजूद रहे।

मां ने 3 जुड़वा बच्चों की हत्या करके सुसाइड किया

प्रतापगढ़, (यूएनएस)। जनपद में एक मां ने अपने 3 बच्चों की हत्या की, फिर खुद सुसाइड कर लिया। शनिवार सुबह कमरे में चारों के शव लटकते मिले हैं। तीनों बच्चे जुड़वा थे, इनमें दो बेटियां और एक बेटा है। उम्र डेढ़ साल है। शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने बताया कि महिला पति की प्रताड़ना से परेशान थी। वह आए दिन मारपीट करता था। पति मौके से फरार है। वारदात भदोही गांव की है। यहां संदीप उर्फ राजतेजा पत्नी दुर्गेश्वरी और 3 बच्चों के साथ रहता था। सुबह काफी देर तक दुर्गेश्वरी के कमरे का दरवाजा नहीं खुला। सास ने आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद सास ने पड़ोसियों को बुलाया। दरवाजा तोड़ा गया तो अंदर सभी फंदे पर लटके हुए थे। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने बताया कि दुर्गेश्वरी (30), दो बेटियों लक्ष्मी और उजाला और बेटे रौनक का शव मिला। कमरा अंदर से बंद था। दोनों बेटियों के शव एक दुपट्टे से जबकि मां और बेटे का शव दूसरे दुपट्टे से लटका था। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल को देखकर ऐसा लग रहा है कि पहले महिला ने बेटियों को लटकाया। फिर बेटे की हत्या करके सुसाइड किया। महिला की 3 साल पहले शादी हुई थी। पड़ोसियों ने बताया कि पति संदीप शराब का लती था। अक्सर पत्नी से मारपीट करता था। शुक्रवार रात को भी विवाद के बाद पत्नी ने बच्चों के साथ खुद को कमरे में बंद कर लिया था। सास ने बताया कि बहू और बच्चे फांसी के फंदे से लटके मिले हैं। घर से मेरा बेटा फरार हो गया। मेरे पति दूसरी जगह किराए के मकान पर रहते हैं। मेरा बेटा शराब पीकर बहू से मारपीट करता था। पुलिस पूछताछ में पड़ोसियों ने बताया पति की शराब की लत घटना का कारण है। इसके चलते घर में अक्सर झगड़े होते थे। एसपी डॉक्टर अनिल कुमार ने बताया सूचना मिली कि एक घर में कमरे के अंदर एक विवाहिता तीन बच्चों के साथ फांसी के फंदे पर लटकती पाई गई है। सूचना पर तुरंत पुलिस और हमारी फील्ड यूनिट और बाकी पुलिस अधिकारी पहुंचे। पारिवारिक विवाद में खुदकुशी की बात सामने आई है। फरार पति की तलाश की जा रही है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गम्भीरता पूर्वक निस्तारण करें अधिकारी : जिलाधिकारी

प्रशासन गांव की ओर का आयोजन, जिलाधिकारी ने किया कम्बल और खतौनी का वितरण

जौनपुर, (यूएनएस)। पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी के जन्मशताब्दी वर्ष के उपलब्ध में लोक शिकायतों के निस्तारण एंव सेवा वितरण में सुधार के उददेश्य से 19 से 24 दिसम्बर तक सुशासन सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में तहसील केराकत के सभागार में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस के आयोजन के साथ ही श्सुशासन सप्ताहश (गुडगर्वनेंस वीक) प्रशासन गांव की ओर का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गम्भीरतापूर्वक सुनते हुए डीएम ने कहा कि सुशासन सप्ताह मनाने का उददेश्य है गांवस्तर पर भी शासन की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाना तथा लोक शिकायतों का निस्तारण करते हुए ऑनलाइन सर्विस डिलीवरी तथा सुशासन के क्षेत्र में नवाचार लाना जिससे पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी की सुशासन की संकल्पना को साकार किया जा सके। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समयबद्व तरीके से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि आईजीआरएस के शिकायतों के संदर्भ में मौके पर जाकर निस्तारण कराये और मौके पर उपस्थित लोगों का हस्ताक्षर और फोटो भी अवश्य लें और शिकायतकर्ता का फीडबैक भी अवश्य लें। जिलाधिकारी के समक्ष कुल 215 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 17 का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने गरीब असहायों को कम्बल वितरित किया। साथ ही खतौनी वितरित करते हुए निर्देश दिया कि मृतकों के उत्तराधिकार का नाम वरासत में अवश्य दर्ज करा दिया जाये।उन्होंने निर्देश दिया कि जिलाधिकारी ने तहसील परिसर में बन रहे अनावासीय भवन के प्रगति कार्य का निरीक्षण किया और निर्देश दिया कि निर्धारित समयावधि की भीतर कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जो निर्माण सामाग्री का प्रयोग किया जाए वे उच्च गुणवत्ता तथा मानक के अनुरुप होने चाहिए। तहसील बदलापुर में अपर जिलाधिकारी विध्रा. रामअक्षयबर चौहान की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जनपद के समस्त तहसीलों में भी सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजन हुआ तथा सुशासन सप्ताह को मनाया गया तथा शिकायतकताओं की समस्याओं को सुना गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी केराकत सुनील कुमार, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण तथा आमजन उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने 13 अधिकारियों का रोका वेतन, समाधान दिवस में अनुपस्थित रहने पर की कार्रवाई

अयोध्या, (यूएनएस)। अयोध्या के विभिन्न तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। 287 फरियादी अपनी फरियाद लेकर सोहावल और मिल्कीपुर तहसील पहुंचे। इसमें केवल 23 मामले का ही निस्तारण किया गया, कई मामले तहसील दिवस पर कई बार पहुंच चुके है, लेकिन उनका निस्तारण इस बार भी नहीं हुआ। जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने तहसील सोहावल के सभागार में फरियादियों की फरियाद सुनी। यहां विभिन्न विभागों के 13 अधिकारियों के न पहुंचने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जाहिर करते हुए एक दिन का वेतन रोकने के आदेश दिए। जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने कहा " शासन की मंशा है कि जन शिकायतों का निस्तारण अधिकारी गण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से करते हुए शिकायतकर्ता को पूर्ण रूप से संतुष्ट किया जाए। तहसील सोहावल में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान शिकायतकर्ता ग्राम मीरपुर कांटा विकासखंड सोहावल द्वारा पैमाइश से सम्बंधित शिकायत की गयी, जिस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सोहावल को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। शिकायतकर्ता ग्राम सरियावां विकासखण्ड मसौधा द्वारा विपक्षी मेड़ काटने तथा गाली गलौज व धमकी की शिकायत की गयी, जिस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सोहावल को तत्काल संज्ञान लेते हुये कार्यवाही करने के निर्देश दिये। ग्राम मुमताजनगर विकासखण्ड मसौधा कूड़ादान बनवाने से रोकने के सम्बंध में प्रार्थना पत्र दिया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी मसौधा को कार्यवाही करने के निर्देश दिया। ग्राम अलीगंज चौराहा पोस्ट पिलखावां की जमीन पर विपक्षी द्वारा दबंगई कर जबरन खेत बोने की शिकायत किया, जिस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सोहावल को व ग्राम व पोस्ट पिलखावां के प्रार्थी ने कोटेदार की राशन की दुकान को निरस्त से संबंधित शिकायत की गयी, जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारी को समुचित रूप से जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने पूर्ति निरीक्षक सोहावल को शिकायतकर्ता द्वारा राशन कार्ड में नाम न जोड़ने की शिकायत पर नाराजगी व्यक्त की गयी। सम्पूर्ण समाधान दिवस सोहावल में प्रभागीय वनाधिकारी अयोध्या, सचिव अयोध्या विकास प्राधिकरण, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, परियोजना अधिकारी डूडा, जिला सेवायोजन अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य, अधिशाषी अभियन्ता जलनिगम ग्रामीण व अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड द्वितीय, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक अनुपस्थित रहे, जिस पर जिलाधिकारी चंद्र विजय नाराज दिखाई दिए, उन्होंने सभी अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए एक–एक दिन का वेतन रोकने निर्देश दिये है।

समाधान दिवस का आयोजन

सिद्धार्थनगर, (यूएनएस)। जिले के इटवा में तहसील समाधान दिवस में जिलाधिकारी के आने की सूचना पर फरियादियों का तांता लग गया। आए शिकायतकर्ताओं ने अपनी अपनी शिकायतों को जिला अधिकारी डॉ राजा गणपति आर0 के सामने रखा।जिसमें से मात्र 5 शिकायतों का निस्तारण मौके पर हो सका।कुल 75 मामले समाधान दिवस में आये। इस दौरान जिलास्तरीय एवं तहसील स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।वही मीडिया से बात करते हुए कहा कि जिन मामलों का निस्तारण मौके पे नही हुआ उन मामलों के निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया गया हैं जांच कर मामले का निस्तारण कर।

एसडीएम ने गांव गांव जाकर बुजुर्गो को बांटे कंबल

धौरहरा खीरी, (यूएनएस)। तराई क्षेत्र में रात के समय वर्तमान में ठंड बढ़ती है। इसी को ध्यान में रखते हुए शासन के निर्देश पर एसडीएम धौरहरा राजेश कुमार ने तहसील क्षेत्र के कई गांवों में जाकर गरीब बुजुर्गों को कंबल वितरित किये। एसडीएम ने बुजुर्गों से कहा किसी भी प्रकार की समस्या हो तो कार्यालय आकर आप सभी लोग बात सकते हैं। सर तरीके से समस्या का निस्तारण कराया जाएगा। इस दौरान लेखपाल संजय श्रीवास्तव व ग्राम प्रधान शहाबुद्दीन सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

अमित शाह के खिलाफ सपा का प्रदर्शन

रायबरेली, (यूएनएस)। जिले में गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। शनिवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री के खिलाफ प्रदर्शन किया। कांग्रेस के बाद अब समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता भी ष्बाबा साहब का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तानष के नारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे और विरोध जताया। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने कहा कि जब तक गृहमंत्री माफी नहीं मांगते या इस्तीफा नहीं देते, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि गृहमंत्री की टिप्पणी से देश में गहरा आक्रोश है। इससे बीजेपी की संविधान और लोकतंत्र विरोधी मानसिकता साफ नजर आती है। उन्होंने गृहमंत्री को तुरंत बर्खास्त करने की मांग की। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी को सौंपा। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता शशिकांत शर्मा ने कहा कि गृहमंत्री ने संविधान निर्माता बाबा साहेब का अपमान किया है। जो हम सभी के भगवान हैं। जिन्होंने हमें समानता का अधिकार दिया। उन्होंने इस टिप्पणी के विरोध में राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा। गृहमंत्री की बर्खास्तगी की मांग की। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

गृह मंत्री के खिलाफ सपा का प्रदर्शन,अमित शाह से इस्तीफे की मांग

अमेठी, (यूएनएस)। जिले में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ समाजवादी पार्टी (सपा) आज सड़कों पर उतर आई। जिले के गौरीगंज में सपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया और कलेक्ट्रेट पहुंचकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। इस प्रदर्शन में सपा कार्यकर्ताओं ने गृह मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और त्वरित कार्रवाई की मांग की। सपा नेताओं ने कहा कि गृह मंत्री की यह टिप्पणी दलित, पिछड़े और वंचित समाज की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाने वाली है। प्रदर्शनकारियों ने इस मुद्दे पर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि इस टिप्पणी से संविधान और लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है, और यह हमारे संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान का अपमान है। एसडीएम को दिए गए ज्ञापन में सपा ने गृह मंत्री से इस बयान के लिए माफी मांगने की अपील की और उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की। सपा जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के खिलाफ यह टिप्पणी न केवल उनके योगदान का अपमान है, बल्कि यह संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ भी है। राम उदित यादव ने कहा, हम समाजवादी पार्टी की प्रतिबद्धता है कि हम संविधान और बाबा साहब के विचारों की रक्षा करेंगे। हम मांग करते हैं कि गृह मंत्री अमित शाह को अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए और उन्हें तुरंत मंत्रिमंडल से हटाया जाए। हम इस मुद्दे पर जन जागरूकता अभियान चलाएंगे और दलित, पिछड़े और वंचित समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

परिवर्तन - खुशी के पल-2024

प्रयागराज। रसूलाबाद स्थित ष्द मदर्स प्राइड स्कूलष ने एन.सी. जेड.

सी.सी ऑडिटोरियम में ष्परिवर्तन–खुशी के पल–2024ष नामक एक दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें भारत की समृद्ध और विविध संस्कृति का प्रदर्शन किया गया। 22 दिसंबर 2024 को स्कूल के वार्षिक उत्सव में 1000 से अधिक लोग उपस्थित हुए और मंच पर अपने बच्चों की प्रस्तुतियों का आनंद लिया। यह देखकर बेहद सुखद लगा कि सभी उम्र के लोग छात्रों और स्कूल के प्रति अपना स्नेह, प्रेम, समर्थन और समर्पण बना कर रहे थे।

शिक्षा के प्रति जागरूकता का उद्देश्य देती छात्राएं।

द मदर प्राइड स्कूल की बालिकाएं ने वार्षिक उत्सव में पंजाबी नृत्य की प्रस्तुति दी।

प्रयागराज में सड़क हादसे में एक की मौत

ट्रैक्टर और ऑटो की हुई भिड़ंत, ड्राइवर की गई जान

प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर के झूसी थाना अंतर्गत चमनगंज चौकी क्षेत्र के नारायण दास का पूरा लीलापुर रोड पर देर रात एक ट्रैक्टर और ऑटो की आमने– सामने से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि पूरी ऑटो पलट गई। इस हादसे में ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे घटनास्थल पर अफरा–तफरी मच गई। देर रात पुलिस की सूचना पर मौके पर मृतक की परिजन भी पहुंचे। वहीं ट्रैक्टर चालक हादसे के तुरंत बाद मौके से फरार हो गया। नारायण दास का पूरा चमनगंज थाना झूंसी निवासी मुकेश उर्फ भूल्ले उर्फ बब्बे यादव पुत्र राम तीरथ जो ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। चालक बब्बे यादव अपने बहन के यहां नीवीकला देर रात जा रहा था। जैसे ही वह ऑटो लेकर चमनगंज पहुंचा ही था कि सामने से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर और ऑटो में आमने–सामने की टक्कर हुई। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गई। वहीं ऑटो चालक मुकेश उर्फ भूल्ले उर्फ बब्बे यादव की मौके पर ही मौत हो गई। मौके से अंधेरा का फायदा उठाकर ट्रैक्टर चालक फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी। और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं चालक बब्बे यादव की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

महाकुंभ में फेक न्यूज रोकेंगे डिजिटल वॉरियर्स

प्रयागराज। फेक न्यूज के खिलाफ अभियान चलाने, साइबर अपराध के प्रति जागरूकता एवं पुलिस के सराहनीय कार्यों को सोशल मीडिया के अलग–अलग प्लेटफार्म पर प्रसारित करने के लिए ष्डिजिटल वॉरियर्सष को तैनात किया गया है। इसके लिए युवा पीढ़ी के सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स एवं कॉलेज के छात्रों को जोड़ा गया है। इस अभिनव पहल की सफलता को देखते हुए अब पुलिस महानिदेशक ने इसे पूरे प्रदेश में लागू करने के लिए समस्त विभागाध्यक्षों और एचओडी को निर्देश दिए हैं। जनपदीय पुलिस अधिकारियों की ओर से सभी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालय प्रबंधन से आग्रह करके श्साइबर क्लबश स्थापित करवाए जाएंगे एवं एक शिक्षक को इसका नोडल अधिकारी नामित करवाया जाएगा। यह टीम फेक न्यूज के खंडन एवं साइबर अपराध के प्रति सचेत करेंगे। साइबर अपराध के प्रति जागरूकता अभियान चलाएंगे। साइबर ट्रेनर के रूप में कार्य करेंगे। साथ ही पुलिस के अभियानों और सराहनीय कार्यों का प्रचार–प्रसार करेंगे।

टीएमपीएस इंटरनेशनल स्कूल के वार्षिक उत्सव में छात्राओं ने गुजराती नृत्य की प्रस्तुति दी।

टीएमपीएस का वार्षिक समारोह

प्रयागराज। एनसीसीजेडसीसी में आयोजित टी.एम.पी.एस इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने भी भाग लिया। दर्शक पूरे कार्यक्रम के दौरान मंत्रमुग्ध

रहे और विभिन्न त्योहारों कर आधारित टी. एम. पी. एस के छात्रों के प्रदर्शन का आनंद लिया।भांगड़ा भांगड़ा और राजस्थानी नृत्य जैसे पारंपरिक लोकनृत्यों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित किया। ष्फायर एंड वॉटरष नामक नृत्य के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का सशक्त संदेश दिया गया, जिसने दर्शकों को बेटियों को शिक्षित करने के महत्व पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। एक अन्य प्रस्तुति, ष्ओल्ड एज होमष, ने आज की दुनिया में बदलते नैतिक मूल्यों को दिखाया। ष्चंद्रयानष नृत्य ने भारतीय अंतरिक्ष उपलब्धियों का उत्सव मनाया और दर्शकों को गर्व से भर दिया।कार्यक्रम का समापन ष्हैप्पी एंडिंग डांसष के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध और उत्साहित कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में गणेश वन्दना की गई। तत्पश्चात मुख्य अतिथि प्रवीण तिवारी और डॉक्टर गौरव अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन किया। स्कूल चेयरपर्सन प्रिया मेहरोत्रा ने कहा कि आज इस कार्यक्रम से छात्रों की प्रतिभा, संस्कृति और सामुदायिक भावना का सच्चा उत्सव के साथ यादगार क्षण बन गया। निदेशक अभिनव मेहरोत्रा ने उपस्थित दर्शकों को वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। स्कूल की प्रशासक पायल मेहरोत्रा ने हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। आशीष मेहरोत्रा, कीर्ति मेहरोत्रा उपस्थित रहे।

महाकुंभ में नागा साधुओं ने तलवारें लहराईं

ऊंट-बग्घी, थार पर पेशवाई निकालीय भक्तों ने छतों से बरसाए फूल

प्रयागराज। लाठी–तलवार लहराते नागा साधु। माथे पर भभूत। गले में रुद्राक्ष। ऊंट, थार और बग्घी पर जाते संत। कुछ इस अंदाज में महाकुंभ के लिए पंचदशनाम आह्वान अखाड़े ने पेशवाई निकाली।

रविवार सुबह 9 बजे नैनी के मड़ौका आश्रम से साधु–संत संगम के लिए निकले। संत आगे–आगे ढोल–नगाड़े के साथ चल रहे थे, पीछे डीजे। उनकी अगवानी के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़कों के किनारे खड़े थे।

महिलाओं ने छतों से फूल बरसाकर स्वागत किया। लोगों ने संतों के साथ सेल्फी ली। नैनी से संगम की दूरी 15 किलोमीटर है, जिसे संतों ने 6 घंटे में पूरी की। अब संगम की रेती पर साधु–संत जप–तप करेंगे।

सुबह संतों ने भगवान गणेश को लगाया भोग

साधुओं ने बताया– सुबह पहले आश्रम में संतों ने भगवान गणेश को खिचड़ी का भोग लगाया। इसके बाद प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद शोभायात्रा की शुरुआत हुई।

महंत राहुल गिरी ने बताया– मुगल काल से पेशवाई शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा था। इसलिए उसे हटाकर छावनी प्रवेश कर दिया गया है। हम गाजे–बाजे के साथ छावनी प्रवेश निकाल रहे हैं। हम संगम की रेती पर अपने देवता को स्थापित करेंगे। इससे ही कुंभ मेले का प्रारंभ होगा।

ऊंट पर सवार संत रहे आकर्षण का केंद्र

डीजे पर भक्ति गीतों की धुनों के साथ चल रहे संत सनातन की अलग ही आभा बिखेर रहे थे। पूरे रास्ते लोग सड़कों और घरों की छतों पर खड़े होकर फूलों की वर्षा करके संतों का स्वागत करते नजर आए। हालत यह थी कि मुख्य सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। अखाड़ा की तरफ से निकाली गई छावनी प्रवेश यात्रा किसी उत्सव से कम नहीं थी। हर कोई यात्रा की एक झलक पाने के लिए उत्साहित दिखा। लोग इस खास अवसर को अपने कैमरों में कैद करते दिखे। छावनी प्रवेश यात्रा के दौरान आचार्य महामंडलेश्वर श्री पंचदशनाम आह्वान अखाड़ा अरुण गिरी जी महाराज, सचिव सत्य गिरी जी महाराज, अखाड़ा के थानापति विजय पुरी जी महाराज, मुख्य संरक्षक श्री महंत भरद्वाज गिरी समेत अन्य संत मौजूद रहे।

ऐसे पूरी हुई छावनी प्रवेश यात्रा

श्री पंचदशनाम आह्वान अखाड़ा का महाकुंभ क्षेत्र में छावनी प्रवेश मड़ौका स्थित आश्रम से शुरू हुआ। छावनी प्रवेश यात्रा में सबसे आगे पुलिस के जवान घोड़ों पर सवार होकर चल रहे थे। इनके पीछे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के वाहन थे। इसके ठीक पीछे नागा संन्यासी घोड़ों पर सवार होकर चल रहे थे। इसके बाद डीजे बैंड भक्ति गीतों के साथ चल रहा था। साथ ही उनके पीछे अलग–अलग वाहनों पर सवार होकर साधु–संतों की टोली चल रही थी।

श्री पंचदशनाम आह्वान अखाड़ा की छावनी प्रवेश यात्रा सुबह करीब साढ़े 11 बजे शुरू हुई। सेक्टर– 20 स्थित अखाड़े के शिविर की दूरी आश्रम से करीब 14 किलोमीटर है। भव्य और विशाल शोभा यात्रा को नगर में घूमते हुए मेला में प्रवेश करने में ही 5 घंटे से ज्यादा का समय लग गया। यात्रा आश्रम से शुरू होकर टीसीआई गेट से होते हुए रीवा रोड पर बने नए यमुना पुल पर पहुंची। यहां भी लोगों ने फूलमाला से संतों का स्वागत किया। यहां पर संतों के जलपान के लिए मिठाई आदि की व्यवस्था की गई थी।

इसके बाद यात्रा अपनी भव्यता का प्रदर्शन करते हुए चलती रही। इस दौरान किसी तरह की समस्या न हो, इसके लिए प्रशासन की तरफ से पुल के एक रास्ते को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया था। इसके साथ ही यात्रा में 25 से ज्यादा ट्रैक्टर पर चांदी के हौद पर सवार होकर अखाड़ा के संत, महामंडलेश्वर, श्रीमहंत चल रहे थे। वाहनों का काफिला भी यात्रा के साथ चल रहा था। शाम करीब साढ़े 4 बजे यात्रा ने मेला क्षेत्र में प्रवेश किया। इसके बाद त्रिवेणी मार्ग पर बने पांटूनपुल से होते हुए यात्रा अपने शिविर तक पहुंची।

जानिए कौन होते हैं नागा साधु

नागा साधु संन्यासी संप्रदाय से जुड़े होते हैं। ये अपने शरीर पर भस्म रमाते हैं और निर्वस्त्र रहते हैं। इनका उद्देश्य सांसारिक मोह–माया से दूर रहकर ईश्वर की साधना करना होता है। नागा साधु बनने की प्रक्रिया काफी चुनौती भरी होती है।

नागा साधु बनने के लिए व्यक्ति को दीक्षा प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। अखाड़ा समिति यह देखती है कि व्यक्ति नागा साधु की दीक्षा प्राप्त करने योग्य है या नहीं। चयन होने के बाद यह प्रक्रिया करीब 12 साल की होती है। दीक्षा के दौरान साधकों को काफी कठोर तप और संयम का पालन करना होता है। आखिरी चरण में उन्हें शाही स्नान के दौरान नागा साधुओं के अखाड़े में शामिल किया जाता है।

नागा साधु क्यों नहीं पहनते कपड़े

नागा साधु अपने शरीर पर कपड़े इसलिए नहीं पहनते, क्योंकि वे वस्त्रों को सांसारिक जीवन और आडंबर मानते हैं। बड़ी बात यह है कि नागा साधु सोने के लिए बिस्तर का भी इस्तेमाल नहीं करते। महाकुंभ में नागा साधुओं का शाही स्नान देखने के लिए देश–विदेश से करोड़ों लोग आते हैं।

अब जानिए क्या होती है नागा साधुओं की पेशवाई

महाकुंभ में लाखों संत और अखाड़े शामिल होते हैं। संतों की पेशवाई विशेष आकर्षण का केंद्र होती है। इसमें साधु–संत अपने अखाड़ों से भव्य शोभायात्रा लेकर निकलते हैं। पेशवाई में अखाड़ों के नागा साधु और उनके तमाम अनुयायी शामिल होते हैं।

ये शोभायात्रा बैंड–बाजे, हाथी–घोड़े और सजाए गए रथों पर निकाली जाती है। इन रथों पर सम्मानित गुरु या संत विराजमान होते हैं। इनके भक्त और अनुयायी पैदल साथ चलते हैं। इस आयोजन में अखाड़ों का वैभव, अनुशासन और शक्ति का प्रदर्शन माना जाता है।

इसके अलावा महाकुंभ में शाही स्नान का बड़ा महत्व है। इसे राजयोग स्नान भी कहते हैं।

मीरा श्रीकृष्ण की प्रस्तुति देती छात्राएं।

राजस्थानी लोकनृत्य मुद्रा में टीएमपीएस की छात्र।

मिलन 2024 में बाराती बनकर पहुंचे 500 डॉक्टर

प्रयागराज। प्रयागराज में मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में आज 22 दिसंबर को पुरा छात्र सम्मेलन 'मिलन–2024' है। एल्यूमिनाई वेलफेयर एसोसिएशन की तरफ से होने वाले इस समारोह में देश–विदेश के पुरा छात्र शामिल हो रहे हैं, जो कभी इसी मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई कर चुके हैं। सम्मेलन में एल्यूमिनाई वेलफेयर एसोसिएशन से जुड़े पुरा छात्रों के 14वें बैच का स्वर्ण जयंती और 39वें बैच का रजत जयंती समारोह है। एलुमिनाई मीट में करीब 500 डॉक्टर्स अपने परिवार से साथ आए हैं। इस सम्मेलन में सबसे खास बात है कि यह पुरा छात्रों ने बारातियों की थीम पर ढोल–बाजे और बग्घी पर सवार होकर परिवार के साथ कॉलेज परिसर में एंट्री की। इस सम्मेलन में देश के कई राज्यों के साथ अमेरिका, कनाडा, सऊदी अरब और आस्ट्रेलिया के पुरा छात्र भी सम्मिलत हुए हैं। स्वर्ण जयंती के सचिव डॉ. अरुण कुमार एवं डॉ. बीपी अग्रवाल हैं। रजत जयंती के सचिव डॉ. हेमन्त कृष्ण मौर्या एवं डॉ. राजेश कुमार राय हैं। इस संघ के अध्यक्ष डॉ. ज्योति भूषण नेमोती लाल नेहरू मेडिकल कालेज की प्रिंसिपल डॉ. वत्सला मिश्रा संरक्षक होंगी। डॉ. पीए सिंह मुख्य अतिथि होंगे। डॉ. केजी सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

चार MBBS टॉपर्स को दी जाएगी साइकिल

संघ के उपाध्यक्ष डॉ. शरद जैन ने बताया कि आज हम लोग साइकिल चारों वर्ष के डठठे टापर्स को देगें। यह प्रथम वर्ष की श्रेया गुप्ता, द्वितीय वर्ष की शौर्य सिंह, तृतीय वर्ष के हर्षित चौबे एवं फाइनल वर्ष की सौम्या सिंह को दी जा रही है।

प्रो. एके श्रीवास्तव और प्रो. संतोष सक्सेना को चिकित्सा क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान के लिये लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जायेगा। सचिव डॉ. अनुज गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर डॉ. हरीश श्रीवास्तव एवं डॉ. मोहित जैन को एल्यूमिनाई वेलफेयर एसोसिऐशन में बहुमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया जायेगा।

प्रयागराज में प्रसव के दौरान महिला और बच्चे की मौत

प्रयागराज। प्रयागराज के करचना के एक निजी अस्पताल में शनिवार रात डॉक्टर की लापरवाही से गर्भवती महिला व उसके बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में जमकर हंगामा किया। बारा थाना क्षेत्र की छीड़िया गांव की रहने वाली 30 वर्षीय अजोरा देवी पत्नी विनोद कुमार गर्भवती थी। महिला एक हफ्ते से अपने मायके बघेड़ा गांव आई हुई थी। वह तीन दिन से वीआरएस अस्पताल करछना में भर्ती थी। बीती रात प्रसव पीड़ा होने पर महिला की हालत बिगड़ गई। थोड़ी ही देर में महिला व उसके बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे। लोगों में यह भी चर्चा रही कि उक्त अस्पताल में बिना डिग्री के अल्ट्रासाउंड भी किया जाता है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062